17 मार्च 2026
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नया भोजपुर चौक पर शाही कार का भंडाफोड़ लग्जरी गाड़ी से निकली 491.52 लीटर शराब

2

एक नजर

तेहरान से 640 भारतीय जल्द लौटेंगे अपने वतन

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत की कूटनीति और दूतावासी तंत्र सक्रियता के साथ कुछ ऐसा काम कर रही है जो सामान्य तौर पर असंभव था। ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सड़क मार्ग से अर्मेनिया भी पहुंचाया जा रहा है और अरजबेजान भी। ना सिर्फ ये दोनों देश एक दूसरे के दुश्मन हैं बल्कि भारत के साथ अजरबेजान के संबंध काफी खराब रहे हैं। आपरेशन सिंदूर के दौरान अरजबेजान ने खुल कर पाकिस्तान का साथ दिया था। इसके बावजूद पिछले दो दिनों में ईरान से 550 भारतीयों को सुरक्षित अर्मेनिया और 90 भारतीयों को अजरबेजान पहुंचाया गया है, जहां से उन्हें आगे सुरक्षित स्थानों पर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि, ह्लजितने भारतीय नागरिकों को बाहर निकाला गया है तेहरान से उनमें से 284 धार्मिक यात्रा पर गये श्रद्धालु हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर स्थगित

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील पर हस्ताक्षर फिलहाल स्थगित कर दिए गए हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता तभी लागू होगा, जब अमेरिका अपनी नई शुल्क संरचना (टैरिफ स्ट्रक्चर) को पूरी तरह लागू कर देगा। सरकार का कहना है कि नई शुल्क संरचना लागू होने तक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर स्थगित रहेंगे। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करके कुछ टैरिफ कार्रवाइयों को समाप्त कर दिया और एक घोषणा जारी कर अमेरिका में प्रवेश करने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत अस्थायी आयात अधिभार लगाने की घोषणा की। जिसे बाद में ट्रंप सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नोटिस, असहमति नोट में विपक्ष ने लगाया आरोप

- विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर नाराजगी जताई

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने की मांग के बाद अब विपक्ष की तरफ से मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग और भी तेज हो चुकी है। विपक्ष के एक नेता ने सोमवार को कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस में नियुक्ति प्रक्रिया से लेकर राहुल गांधी पर उनके सार्वजनिक हमले और हाल के चुनावों में वोटों में कथित हेरफेर के मामलों का उल्लेख किया गया है। संसद के दोनों सदनों में पेश किए गए नोटिस में ज्ञानेश कुमार को सीईसी के पद से हटाने का प्रस्ताव लाने की मांग की गई हैं। विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर नाराजगी जताई है और कई मौकों पर मतदाता सूची में कथित हेरफेर पर चिंता जताई है। विपक्षी नेता के अनुसार, लगभग 10 पृष्ठ वाले नोटिस में फरवरी, 2025 में राहुल गांधी द्वारा बतौर नेता प्रतिपक्ष प्रस्तुत एक असहमति नोट का जिक्र है। यह असहमति नोट ज्ञानेश कुमार को इस पद के लिए चुने जाने के खिलाफ दिया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी सीईसी की नियुक्ति करने वाली समिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ सदस्य हैं। अपने असहमति नोट में राहुल गांधी ने कहा था, ह्यह्मनए सीईसी का चयन करने के लिए आधी रात को निर्णय लेना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए अपमानजनक है, जब समिति की संरचना और प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है और 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है।

राहुल गांधी को दिए गए सार्वजनिक अल्टीमेटम का जिक्र

नोटिस में अगस्त 2025 में एक संवाददाता सम्मेलन में सीईसी द्वारा गांधी को दिए गए सार्वजनिक अल्टीमेटम का भी जिक्र है। विपक्ष द्वारा 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच, कुमार ने नेता प्रतिपक्ष से या तो माफी मांगने या अपने दावों के समर्थन में हस्ताक्षरित हलफनामा देने को कहा था।

मतदाता सूची में हेरफेर के आरोपों का जिक्र

नोटिस में कर्नाटक के अलंद और महादेवपुरा में विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए मतदाता सूची में हेरफेर के आरोपों का भी जिक्र है। नोटिस पर लोकसभा के लगभग 130 और राज्यसभा के 60 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों के अनुसार, नोटिस में कुमार के खिलाफ सात आरोप सूचीबद्ध हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण आचरण, 'चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना' और बड़े पैमाने पर लोगों को 'मताधिकार से वंचित करना' शामिल हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ टीएमसी का राज्यसभा से वॉकआउट

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव सहित शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को हटाए जाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस की नाराजगी संसद में भी दिखी। पहले से ही एसआइआर को लेकर चुनाव आयोग के विरुद्ध सड़क से संसद तक प्रदर्शन कर रही टीएमसी के सांसदों ने इस कार्रवाई के बाद सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही से दिनभर के लिए वॉकआउट कर दिया। हालांकि, सरकार की ओर से इसे अनुचित बताते हुए टीएमसी और कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं पर हमेशा हमले किए जाने का आरोप लगाया गया। राज्यसभा में शून्यकाल शुरू होते हुए टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन खड़े हुए और तीन सेकंड में अपनी बात पूरी करने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने रात में पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और गृह सचिव को हटा दिया है। आयोग के पास बहुत शक्ति है। टीएमसी सदन का समय बर्बाद करने की बजाए दिनभर के लिए राज्यसभा से बर्हिगमन करती है। इतना कहते ही टीएमसी सदस्य जाने लगे। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने आपत्ति जताई।कहा कि यह विषय सदन की कार्यवाही में सूचीबद्ध नहीं था, फिर भी इसे उठाया गया, जो कि अनुचित है।

देशभर में सुबह से लाइनें लगीं, गैस सिलेंडर के लिए जनता त्रस्त

बिहार राज्यसभा चुनाव में एनडीए का क्लीन स्वीप, सभी पांच सीटों पर दर्ज की जीत

- एनडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट किया, एनडीए के कार्यकर्ता जश्न
- महागठबंधन की ओर से चार विधायक (कांग्रेस के तीन और राजद के एक) विधायक विधानसभा नहीं पहुंचे

जीतने वाले उम्मीदवारों में

- नीतीश कुमार-जदयू
- रामनाथ ठाकुर-जदयू
- नितिन नवीन-भाजपा
- शिवेश कुमार-भाजपा
- उपेंद्र कुशवाहा-रालोमो

एजेंसी। पटना

बिहार में राज्यसभा की पांचों सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार जीत गए हैं। चार सीटों पर जीत तो पहले से ही तय थी। लेकिन, पांचवीं सीट पर महागठबंधन के उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह से एनडीए के उम्मीदवार शिवेश राम का मुकाबला हुआ। एनडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट किया। लेकिन, महागठबंधन की ओर से चार विधायक (कांग्रेस के तीन और राजद के एक) विधायक विधानसभा नहीं पहुंचे। मतगणना के बाद एनडीए के सभी उम्मीदवारों की जीत की घोषणा कर दी गई। एनडीए के कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 202 विधायकों के बल पर अपने पांच उम्मीवार को चुनावी मैदान में उतारा था। इसमें से चार सीट पर तो जीत पहले से तय थी। लेकिन, पांचवीं सीट पर महागठबंधन की ओर से राजद ने अमरेंद्र धारी सिंह को चुनावी मैदान में उतार दिया। इस कारण पांचवीं सीट पर एनडीए बनाम महागठबंधन मुकाबला हो गया। दोनों गठबंधन ने अपने अपने विधायकों को एकजुट करना शुरू किया। पहले तेजस्वी यादव ने विधायकों को एकजुट किया। तेजस्वी एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए।

भाजपा ने धनबल का प्रयोग किया है

महागठबंधन की ओर से राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने कहा कि अब तो पूरा देश जान गया कि कौन धनबल का प्रयोग करता है, भाजपा ने धनबल का प्रयोग किया है। यह छल किया गया है। यह जनता का अपमान है। महागठबंधन के चार विधायकों के नहीं पहुंचने पर कुमार सर्वजीत ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लेने वालों विधायकों ने जनता के साथ धोखा दिया है। उनके ऊपर जिंदगी भर एक्स एमएलए का टैग लग जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने बिहार को बदला

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि पूरे बिहार में एक बड़ा मैसेज फिर से गया है। एनडीए की प्रचंड जीत है। हमारे पांचों उम्मीदवारों की शानदार जीत है। सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार को बदला है। आपदा के वक्त भी उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उनके पास काफी अनुभव है। विपक्ष के आरोपों पर संजय झा ने कहा कि आज अगर हमलोग 41 वोटों का ही बंटवारा करते थे तो भी शिवेश कुमार को 38 वोट और महागठबंधन के उम्मीदवार एडी सिंह को 37 वोट मिलता। विपक्ष के सारे आरोप बेबुनियाद है। सबकुछ पारदर्शी तरीके से हुआ है। जनता के सामने सारी बातें हैं। संजय झा ने कहा कि महागठबंधन को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं थी इसलिए सभी को होटल में रखा गया। कांग्रेस की कोई लीडरशीप नहीं है।

होर्मुज तनाव के बीच भारतीय जहाज शिवालिक 46 हजार टन गैस लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचा

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर संकट के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। एलपीजी गैस लेकर आने वाला भारतीय जहाज शिवालिक सुरक्षित तरीके से गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पहुंच गया है। इस जहाज के सुरक्षित पहुंचने को ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल के दिनों में क्षेत्र में तनाव के कारण समुद्री मार्ग पर जोखिम बढ़ गया था। यह एलपीजी टैंकर रविवार शाम करीब पांच बजे मुंद्रा पोर्ट पहुंचा। जहाज लगभग 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है। यह गैस भारत के घरेलू आपूर्ति नेटवर्क में भेजी जाएगी। शिवालिक एक बहुत बड़ा गैस वाहक जहाज है, जिसे शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया संचालित करता है। यह जहाज फारस की खाड़ी से अरब सागर को जोड़ने वाले अहम समुद्री रास्ते होर्मुज से होकर भारत पहुंचा। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्गों में से एक माना जाता है। दुनिया भर में तेल और गैस की करीब 20 प्रतिशत आपूर्ति इसी समुद्री रास्ते से गुजरती है। इसलिए इस मार्ग पर किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। भारत भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस समुद्री रास्ते पर काफी हद तक निर्भर है।तनाव के बीच ईरान ने दो भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी। इनमें शिवालिक और नंदा देवी नाम के एलपीजी टैंकर शामिल हैं। दोनों जहाज करीब 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक दोनों जहाज सुरक्षित तरीके से जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़े।

राज्यसभा चुनाव: ओडिशा में भी क्रॉस वोटिंग का खेल

भुवनेश्वर। ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग की खबर से राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है। जानकारी के अनुसार बीजद और कांग्रेस के कम से कम पांच विधायकों ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे के पक्ष में मतदान किया है। इस घटनाक्रम ने चुनावी समीकरण को बदल दिया है और विपक्षी दलों के भीतर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्यसभा की चार सीटों के लिए मतदान के बीच यह मामला सामने आया है। राज्यसभा चुनाव के लिए इस बार ओडिशा में 12 साल बाद मतदान हो रहा है। दरअसल इस बार चार सीटों के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसके कारण चुनाव करवाना जरूरी हो गया। भाजपा की ओर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार उम्मीदवार हैं। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरण दास ने दावा किया कि पार्टी के तीन विधायकों ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में वोट दिया है। इनमें रमेश जेना, दसरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस का नाम शामिल है। वहीं बीजद के बांकी विधायक देवी रंजन त्रिपाठी ने भी सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को वोट दिया है। राज्य कांग्रेस प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कहा कि आज पैसे और सत्ता की ताकत जीत गई है।

इतिहास, आस्था और रोमांच से रूबरू हुए छात्र, अनंतविजयम एकेडमी का राजगीर-नालंदा शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

- **दो सौ छात्र-छात्राओं ने देखा नालंदा विश्वविद्यालय का गौरव, राजगीर के शांति स्तूप, सफारी और पौराणिक धरोहरों ने बढ़ाया उत्साह**

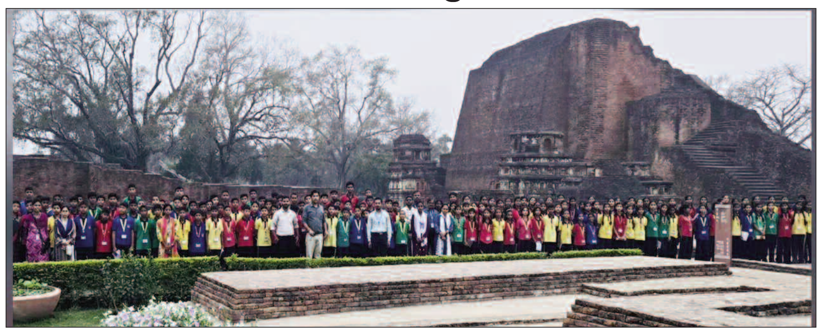

केटी न्यूज/डुमरांव

अनंतविजयम एकेडमी, महाराजा पथ डुमरांव द्वारा आयोजित राजगीर एवं नालंदा का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण उत्साह, जिज्ञासा और ऐतिहासिक चेतना के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस शैक्षणिक यात्रा को एकेडमी के प्रेसिडेंट चन्दन कुमार मिश्र ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण में करीब दो सौ छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से बाहर निकालकर भारत की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से सीधे जोड़ना था। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विश्वविख्यात नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेषों का अवलोकन किया। कभी ज्ञान, दर्शन और बौद्ध शिक्षा का वैश्विक केंद्र रहे नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेषों को देखकर विद्यार्थियों ने भारत की प्राचीन शैक्षिक समृद्धि को करीब से महसूस किया। ईंटों से बने विशाल विहार, प्राचीन कक्षाएं, स्तूप और अवशेष आज भी उस गौरवशाली परंपरा की कहानी कहते हैं, जब दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी यहां अध्ययन करने पहुंचते थे। वहीं राजगीर की धरती ने भी बच्चों को इतिहास, अध्यात्म और प्रकृति का अद्भुत संगम दिखाया। पर्वतों से घिरे राजगीर का संबंध न सिर्फ बौद्ध धर्म से है, बल्कि जैन और हिन्दू परंपराओं से भी इसकी गहरी आस्था जुड़ी है। मान्यता है कि राजगीर प्राचीन मगध की राजधानी रहा और महाभारत काल में यह जरासंध की नगरी के रूप में प्रसिद्ध था। भगवान बुद्ध ने यहां कई महत्वपूर्ण उपदेश दिए थे, जबकि जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ से भी इस क्षेत्र का संबंध माना जाता है। छात्रों ने राजगीर स्थित बौद्ध शांति स्तूप का भी दर्शन किया। पहाड़ियों के बीच स्थित यह स्तूप शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश देता है। यहां का शांत वातावरण विद्यार्थियों के लिए एक अलग ही अनुभव लेकर आया। इसके अलावा राजगीर सफारी में वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर बच्चों के लिए रोमांचकारी रहा। प्राकृतिक परिवेश, हरियाली और जीव-जंतुओं की विविधता ने भ्रमण को और भी यादगार बना दिया।

स्कूल प्रेसिडेंट चन्दन कुमार मिश्र ने बताया कि इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को भारत की ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासत और उन महापुरुषों के योगदान से परिचित कराना था, जिन्होंने भारत को वैभवशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं विद्यार्थियों के भीतर इतिहास के प्रति जिज्ञासा, संस्कृति के प्रति सम्मान और सीखने की नई दृष्टि विकसित करती हैं। भ्रमण में शामिल शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और विभिन्न स्थलों के महत्व से उन्हें अवगत कराया। इस मौके पर संतोष कुमार राय, राजकुमार शर्मा, पूनम तिवारी, माधवी मिश्रा, सिद्धि कुमारी, शिवम गुप्ता, शाक्या प्रिया, तरुण, विद्यावती कुमारी, अनुष्का सिंह, स्नेहा, तराना, रामबचन शर्मा, निखिल कुमार, डॉली सिंह, काजल, अनु दुबे, विनीता, डॉली सिंह, शालिनी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए केवल यात्रा नहीं, बल्कि इतिहास, आस्था, संस्कृति और प्रकृति से साक्षात्कार का जीवंत पाठ साबित हुआ।

नया भोजपुर चौक पर शाही कार का भंडाफोड़ लग्जरी गाड़ी से निकली 491.52 लीटर शराब

- **वाहन जांच में पुलिस की बड़ी कामयाबी, आरा का तस्कर दबोचा गया, नेटवर्क, रूट और सप्लाई चेन खंगालने में जुटी टीम**

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी और चौंकाने वाली कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी कार से 491.52 लीटर शराब बरामद की है। बाहर से सामान्य और हाई-प्रोफाइल दिखने वाली इस गाड़ी के भीतर शराब की इतनी बड़ी खेप छिपाकर ले जाई जा रही थी कि पहली नजर में किसी को शक तक नहीं हो सकता था। लेकिन नया भोजपुर थाने की पुलिस की सतर्कता, सटीक सूचना और बारीक जांच ने पूरे खेल का पदार्फाश कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि अब उसके जरिए पूरे तस्करी नेटवर्क की परतें खोली जा रही हैं।

जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके से होकर एक महंगी कार के जरिए शराब की बड़ी खेप पार कराई जाने वाली है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और नया भोजपुर चौक के पास सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान जब संदिग्ध लग्जरी वाहन को रोका गया, तब शुरूआत में सब कुछ सामान्य प्रतीत हुआ। कार का बाहरी रूप-रंग ऐसा था कि किसी को भी उसमें अवैध सामान छिपाए जाने का अंदेशा नहीं होता। लेकिन पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर वाहन की गहन तलाशी ली और फिर जो सामने आया, उसने सबको हैरान कर दिया।

तलाशी के दौरान कार से विभिन्न ब्रांड की कुल 491.52 लीटर शराब बरामद की गई। इतनी बड़ी मात्रा में शराब मिलने के बाद साफ हो गया कि यह कोई मामूली ढुलाई नहीं, बल्कि संगठित तस्करी का हिस्सा है। पुलिस ने मौके से जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया, उसकी पहचान आरा के नवादा निवासी मो. शिंदवाज, पिता मो. सोहराब के रूप में की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई और फिर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि शराब तस्कर अब पुलिस की नजर से बचने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। पारंपरिक वाहनों के बजाय अब लग्जरी और महंगी गाड़ियों का इस्तेमाल कर तस्करी को ह्ललो-रिस्कह्व दिखाने की कोशिश की जा रही है, ताकि जांच के दौरान शक कम हो। हालांकि नया भोजपुर पुलिस की मुस्तैदी ने इस भ्रम को तोड़ दिया और यह साफ कर दिया कि बाहरी चमक-दमक के आधार पर किसी वाहन को छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता।थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि बरामद शराब और प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है। मामले में विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर, स्वामित्व, आवाजाही के रूट और उससे जुड़े अन्य बिंदुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी, किस ठिकाने तक पहुंचाई जानी थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो गिरफ्तार आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर तस्करी के बड़े नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। आशंका है कि यह खेप किसी संगठित गिरोह के जरिए सप्लाई की जा रही थी, जिसमें कई लोग अलग-अलग भूमिकाओं में शामिल हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं। नया भोजपुर की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अवैध शराब कारोबार पर पुलिस की नजर टिकी है और तस्करों के लिए अब रास्ते पहले जैसे आसान नहीं रह गए हैं।

बुलडोजर राज और जन अधिकारों के सवाल पर भाकपा माले का हमला, डुमरांव सम्मेलन में संगठन विस्तार का आह्वान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर क्षेत्र में सोमवार को आयोजित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के तीसरे नगर स्तरीय सम्मेलन में बुलडोजर कार्रवाई, जन अधिकारों पर बढ़ते दबाव, महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय के सवाल प्रमुखता से उठे। सम्मेलन में पार्टी नेताओं ने साफ कहा कि मौजूदा दौर में गरीबों, मजदूरों, किसानों और वंचित तबकों के अधिकारों पर लगातार हमले तेज हुए हैं, ऐसे में भाकपा माले को और मजबूत बनाना समय की जरूरत है।

सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी के केंद्रीय कमेटी सदस्य सह जिला सचिव कॉमरेड नवीन ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश की राजनीति इस समय गंभीर चुनौतियों के बीच खड़ी है और लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता तथा संविधान की रक्षा का सवाल पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने ह्लबुलडोजर राजह्व का विरोध करते हुए कहा कि दमन और डर के माहौल के बीच जन अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित राजनीतिक हस्तक्षेप जरूरी है। कॉमरेड नवीन ने कहा कि जनता से जुड़े सवालों को सिर्फ भाषणों से नहीं, बल्कि जमीनी संघर्षों से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कार्यकताओं को वार्ड-वार्ड जाकर संगठन खड़ा करने, आम लोगों से सीधा संवाद कायम करने और गरीब तबकों की समस्याओं को आंदोलन का केंद्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की असली ताकत जनता के बीच उसकी सक्रिय मौजूदगी और जन मुद्दों पर उसकी स्पष्ट प्रतिबद्धता होती है।

सम्मेलन में मौजूद अन्य वक्ताओं ने किसानों की बदहाली, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और स्थानीय जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। नेताओं ने कहा कि आने वाले दिनों में इन सवालों को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा और गांव-गांव, वार्ड-वार्ड जाकर लोगों को संगठित किया जाएगा। पंचायत स्तर से लेकर नगर क्षेत्र तक संगठन को धार देने और नए कार्यकताओं को जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन के अंत में संगठनात्मक मजबूती और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर रणनीति तय की गई। इस दौरान 21 सदस्यीय नगर कमिटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से कृष्णा राम को नगर सचिव चुना गया। कार्यक्रम में प्रखंड सचिव धर्मेंद्र यादव, पर्यवेक्षक ललन राम, कन्हैया राम, मानरूप, प्रभात कुमार, भगवान दास, शंकर तिवारी, सुरेश राम, छविनाथ पासवान, बुधिया देवी, कन्हैया चौधरी, बाबूलाल राम, सर्वेश पांडेय, जाबिर कुरैशी, रूबी शर्मा, पूजा कुमारी, ओमप्रकाश पाल, नरेंद्र कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेलांव गांव में युवती ने फांसी लगा की इहलीला समाप्त, घर में मचा कोहराम

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के बेलांव गांव में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवती का शव उसके ही घर के कमरे में पंखा लटकाने के लिए लगी कुंडी से लटकते हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान बेलांव गांव निवासी कमलेश यादव की 20 वर्षीय पुत्री मंजू कुमारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मंजू ने घर के अंदर कमरे में लगे पंखे की कुंडी में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों के अनुसार सोमवार की सुबह जब मंजू काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली तो उसकी मां उसे नाश्ता के लिए बुलाने गई। कमरे का दरवाजा खोलने पर अंदर का दृश्य देख वह स्तब्ध रह गई। कुंडी से बेटी का शव लटकता देख घर में कोहराम मच गया। परिजनों के शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

राज्यसभा में एनडीए की सफलता पर डुमरांव में उत्साह, भाजपा नेता मुखिया सिंह कुशवाहा बोले, बिहार की आवाज होगी और मजबूत

केटी न्यूज/डुमरांव

राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत के बाद डुमरांव प्रखंड क्षेत्र में एनडीए समर्थकों और कार्यकताओं के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और भाजपा से जुड़े कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई और इसे गठबंधन की बड़ी राजनीतिक सफलता बताया। कार्यकताओं ने कहा कि यह जीत न केवल एनडीए की एकजुटता का प्रमाण है, बल्कि जनता के विश्वास और विकास आधारित राजनीति पर मुहर भी है।

इस मौके पर भाजपा नेता मुखिया सिंह कुशवाहा ने कहा कि राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए की जीत से यह स्पष्ट हो गया है कि जनता का भरोसा आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और एनडीए की नीतियों पर कायम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता गठबंधन की मजबूती, संगठन की सक्रियता और जनसमर्थन का परिणाम है। मुखिया सिंह कुशवाहा ने विशेष रूप से उपेंद्र कुशवाहा के राज्यसभा पहुंचने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ बिहार को अवश्य मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बिहार के विकास, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को अब राष्ट्रीय मंच पर और प्रभावशाली ढंग से उठाया जाएगा। उनके अनुसार, राज्यसभा में अनुभवी और जमीनी समझ रखने वाले नेताओं की उपस्थिति से बिहार के हितों की पैरवी अधिक मजबूती से हो सकेगी।

डुमरांव प्रखंड में आयोजित इस खुशी समारोह में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष रविकांत सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में कई कार्यकताओं ने जीत पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान संदीप कुशवाहा, अजय सिंह, पप्पू कुमार समेत अन्य कार्यकताओं ने भी कहा कि एनडीए की यह जीत आने वाले समय की राजनीति के लिए सकारात्मक संकेत है।

कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि एनडीए नेतृत्व आने वाले दिनों में बिहार के विकास को नई दिशा देगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और राज्यसभा में एनडीए की इस सफलता को जनआकांक्षाओं की जीत बताया।

प्रमुख-उप प्रमुख के खिलाफ अविश्वास से राजपुर की राजनीति गरमाई, विशेष बैठक पर टिकी सबकी नजर

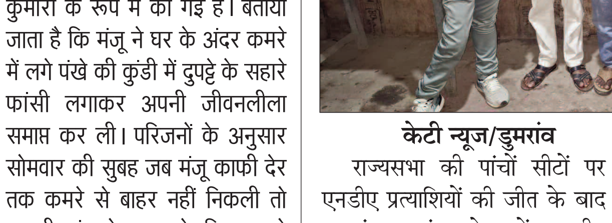

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड की पंचायत राजनीति में सोमवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब प्रखंड प्रमुख मंजू देवी और उप प्रमुख मजीदन खातून के खिलाफ पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन बीडीओ सिद्धार्थ कुमार को सौंप दिया। पिछले तीन सप्ताह से चल रही अटकलों के बीच यह कदम उठाए जाने के बाद प्रखंड की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, प्रखंड प्रमुख के खिलाफ रसेन पंचायत की बीडीसी राधिका देवी के नेतृत्व में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, जिस पर 26 पंचायत समिति सदस्यों में से 14 ने हस्ताक्षर किए हैं। वहीं उप प्रमुख के खिलाफ बन्नी पंचायत की बीडीसी सदस्य मानती देवी की अगुवाई में आवेदन दिया गया। आवेदन सौंपने के दौरान कई पंचायत समिति सदस्य बीडीओ कार्यालय में मौजूद रहे। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले सदस्यों ने प्रमुख और उप प्रमुख पर कार्य संचालन में शिथिलता, समिति गठन में अनियमितता, सदस्यों की बातों की अनदेखी, योजनाओं में समान भागीदारी नहीं देने, समय पर भुगतान नहीं कराने तथा नियमित बैठक नहीं बुलाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। विरोधी गुट का कहना है कि वर्तमान नेतृत्व पंचायत समिति सदस्यों का भरोसा खो चुका है और अब नैतिक तथा प्रशासनिक रूप से पद पर बने रहने का आधार कमजोर पड़ गया है। इस घटनाक्रम के बाद अब सबकी नजर पंचायत समिति की विशेष बैठक पर टिक गई है। बिहार पंचायत राज अधिनियम के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर आगे की प्रक्रिया बैठक और मत विभाजन के जरिए पूरी की जाएगी। बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और इसकी सूचना प्रमुख को पत्र के माध्यम से दे दी गई है। नियमानुसार प्रमुख को आठ दिनों के भीतर बैठक आहूत करनी होगी, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अविश्वास प्रस्ताव के बाद राजपुर प्रखंड की राजनीति में नया समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है।

कंबोडिया में फंसे बक्सर के दो युवकों को छुड़ाने की डीएम से गुहार

- **टूरिस्ट वीजा पर विदेश भेजे जाने का आरोप, परिजनों का दावा पासपोर्ट जब्त कर ठगी गिरोह में काम का दबाव, 25 दिनों से संपर्क टूटा, डीएम से लगाई मदद की पुकार**

केटी न्यूज/डुमरांव

रोजगार के सपने दिखाकर विदेश भेजे गए बक्सर जिले के दो युवक अब कथित तौर पर कंबोडिया में फंस गए हैं। परिजनों का आरोप है कि नौकरी दिलाने के नाम पर उन्हें टूरिस्ट वीजा पर बाहर भेजा गया, जहां पहुंचने के बाद उनसे साइबर ठगी से जुड़े गिरोह में काम कराने का दबाव बनाया गया। विरोध करने पर उनके पासपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज छीन लिए गए तथा उन्हें बंधक जैसी स्थिति में रखा गया। पिछले करीब 25 दिनों से दोनों युवकों से परिवार का सीधा संपर्क नहीं हो पाया है। इस गंभीर मामले को लेकर परिजन सोमवार को समाहरणालय पहुंचे और जिलाधिकारी साहिला से हस्तक्षेप की गुहार लगाई। फंसे हुए युवकों में कोरानसराय थाना क्षेत्र के कोरानसराय निवासी सुखदेव सिंह के पुत्र गोविंद सिंह और सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर गांव निवासी कृष्णानंद चौधरी के पुत्र विनोद कुमार चौधरी शामिल हैं। डीएम को सौंपे गए आवेदन में गोविंद सिंह की पत्नी निभा देवी, मां विमला देवी, भाई अखिलेश कुमार सिंह के साथ-साथ विनोद चौधरी की पत्नी मुनि देवी और बेटा रोहित कुमार ने दोनों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कराने की मांग की। परिजनों ने बताया कि वे पहले ही स्थानीय विधायक, सांसद और विदेश मंत्रालय से मदद की अपील कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। ऐसे में जिला प्रशासन से उम्मीद बांधते हुए उन्होंने डीएम से तत्काल स्तर पर कार्रवाई कराने की मांग की। जिलाधिकारी ने मामले में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार, गोविंद सिंह तीन जनवरी 2026 को रोजगार के सिलसिले में कंबोडिया गए थे। उनके साथ विनोद कुमार चौधरी भी गया था। परिवार का आरोप है कि महाराष्ट्र के संतोष चौपगार उर्फ लक्की नामक एक दलाल ने होटल में फूड पैकिंग या वेटर की नौकरी दिलाने तथा 75 से 80 हजार रुपये मासिक वेतन का लालच देकर दोनों को विदेश भेजा। लेकिन कंबोडिया पहुंचते ही पूरा मामला उलट गया। गोविंद के भाई अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि 19 फरवरी को एक पाकिस्तानी नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने कहा कि गोविंद अपने साथियों के साथ वहां की जेल में बंद है। पहले दो लाख रुपये की मांग की गई, बाद में रकम बढ़ाकर छह लाख रुपये कर दी गई। परिजनों के मुताबिक, बीच-बीच में वॉइस मैसेज के जरिए भी पैसे की मांग की जा रही है, जिससे परिवार दहशत में है।

इस घटना ने दोनों परिवारों को तोड़कर रख दिया है। गोविंद सिंह की मां और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि विनोद चौधरी के घर भी बेचैनी और अनिश्चितता का माहौल है। परिजनों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इस मानव तस्करी और साइबर गिरोह के पूरे नेटवर्क की जांच कराते हुए दोनों युवकों समेत अन्य फंसे भारतीयों को भी जल्द सुरक्षित स्वदेश लाया जाए।

फसल के दुश्मन से खेत का साथी बनाने की कोशिश
डुमरांव के नीलगाय शोध ने सबौर मेले में बटोरी सुर्खियां

- **नीलगाय के व्यवहार, पालन और गोबर की उपयोगिता पर चल रहे अध्ययन ने खोले संभावनाओं के नए दरवाजे, जैविक खेती, वैकल्पिक आय और ग्रामीण संसाधन विकास पर टिकी नजर**

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में आयोजित तीन दिवसीय कृषि मेला इस बार डुमरांव में चल रहे एक अनोखे शोध के कारण खास चर्चा में रहा। आम तौर पर किसानों के लिए फसल नुकसान का कारण मानी जाने वाली नीलगाय को अब कृषि वैज्ञानिक एक नई दृष्टि से देख रहे हैं। डुमरांव में चल रहे शोध ने यह संकेत दिया है कि यदि नीलगाय को नियंत्रित, व्यवस्थित और वैज्ञानिक ढंग से पालतू बनाया जा सके, तो यह केवल समस्या नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैविक खेती के लिए एक उपयोगी संसाधन भी बन सकती है। कृषि मेले में इस शोध के तहत पाले जा रहे नीलगाय के बच्चों का प्रदर्शन किया गया, जिसने किसानों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

विश्वविद्यालय के निर्देश पर प्रस्तुत इस शोध मॉडल को देखने के लिए मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विश्वविद्यालय के डायरेक्टर रिसर्च डॉ. अनिल कुमार और कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। शोध टीम के प्रमुख सदस्य डॉ. सुदय प्रसाद ने नीलगाय पर किए जा रहे अध्ययन की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल का मूल उद्देश्य किसानों की उस पुरानी समस्या का समाधान खोजना है, जिसमें नीलगाय की वजह से फसलों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। वैज्ञानिकों ने इसी संकट को अवसर में बदलने की सोच के साथ नीलगाय के बच्चों को पालकर उनके स्वभाव, खान-पान, अनुकूलन क्षमता और उपयोगिता का अध्ययन शुरू किया।

डॉ. सुदय प्रसाद के अनुसार पिछले चार वर्षों से यह शोध लगातार जारी है। इस दौरान नीलगाय के बच्चों को नियंत्रित वातावरण में रखकर उनके विकास और व्यवहार का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि उचित देखभाल और अनुकूल माहौल मिलने पर नीलगाय के बच्चों में पालतू प्रवृत्ति विकसित की जा सकती है। यही नहीं, उनके रहन-सहन और व्यवहार से जुड़े ऐसे कई संकेत मिले हैं, जो भविष्य में इस दिशा में बड़े स्तर पर प्रयोग का आधार बन सकते हैं।

इस शोध का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष नीलगाय के गोबर की उपयोगिता को लेकर सामने आया है। वैज्ञानिकों के अनुसार परीक्षण में यह पाया गया कि नीलगाय का गोबर पोषक तत्वों से भरपूर है और जैविक खेती के लिए एक प्रभावी विकल्प बन सकता है। इसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम के साथ-साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पर्याप्त मात्रा में पाए गए हैं। ये सभी तत्व मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, उसकी संरचना सुधारने तथा जलधारण क्षमता मजबूत करने में सहायक माने जाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इस पर आगे और व्यवस्थित कार्य किया गया, तो नीलगाय का गोबर प्राकृतिक खाद, मिट्टी सुधारक, ईंधन और ग्रामीण उपयोग के अन्य वैकल्पिक साधनों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

कृषि मेले में इस शोध को विशेष सराहना भी मिली। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे किसानों के हित में उपयोगी प्रयास बताया। शोध से जुड़ी परियोजना को केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 114.85 लाख रुपये की स्वीकृति मिलना भी इस बात का संकेत है कि इस प्रयोग को नीति स्तर पर गंभीरता से देखा जा रहा है।

डुमरांव की यह शोध पहल अब केवल एक वैज्ञानिक प्रयोग भर नहीं रह गई है, बल्कि इसे खेती, पर्यावरण और ग्रामीण आय के नए मॉडल के रूप में भी देखा जाने लगा है। जिस नीलगाय को अब तक खेतों के लिए संकट माना जाता था, उसी को संसाधन में बदलने की यह कोशिश आने वाले समय में कृषि क्षेत्र के लिए नई दिशा तय कर सकती है।

एक नजर

कमहरियां हथियार बरामदगी कांड में फैसला: सात साल पुराने मामले में आरोपित को तीन वर्ष कैद

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कमहरियां के पास वर्ष 2019 में वाहन जांच के दौरान देशी कट्टा और कारतूस के साथ पकड़े गए युवक के खिलाफ चल रहे मामले में अदालत ने फैसला सुना दिया है। अनुमंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट रंजना दुबे की अदालत ने सोमवार को सुनवाई पूरी करते हुए आरोपित को दोषी करार दिया और आर्म्स एक्ट के तहत तीन वर्ष की कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर कुल 20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जुमार्ना अदा नहीं करने पर आरोपित को एक माह की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले की पैरवी कर रहे पदाधिकारी राकेश कुमार राय और सोमेश मिश्रा ने बताया कि 17 जुलाई 2019 को मुफस्सिल थाना पुलिस नियमित वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान कमहरियां के समीप पुलिस ने जीतू चौधरी, पिता जंग बहादुर चौधरी, को संदेह के आधार पर रोका और तलाशी ली। तलाशी के क्रम में उसके पास से एक देशी कट्टा तथा एक कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष ने गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपित को आर्म्स एक्ट से जुड़े दो बिंदुओं में दोषी माना। कोर्ट ने दोनों धाराओं में तीन-तीन वर्ष की सजा और दस-दस हजार रुपये जुमार्ना निर्धारित किया, लेकिन यह भी आदेश दिया कि दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। ऐसे में आरोपित को प्रभावी रूप से तीन वर्ष की ही सजा काटनी होगी। इस फैसले को अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

भुगतान में देरी से मनरेगा मजदूरों की बढ़ी मुश्किलें, दो माह से अटकी मेहनताना राशि

चौसा। चौसा प्रखंड सहित जिले के विभिन्न पंचायतों में मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों को पिछले लगभग दो माह से मजदूरी का भुगतान नहीं मिल पाया है। भुगतान में हो रही देरी के कारण मजदूरों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ने लगा है। महंगाई के इस दौर में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौती बनता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जनवरी और फरवरी महीने में मनरेगा के तहत कई विकास कार्य कराए गए, जिनमें बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूरों ने भाग लिया। मजदूरों ने तालाब खुदाई, सड़क मरम्मत, मिट्टी भराई सहित अन्य कार्यों में मेहनत की, लेकिन अब तक उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं हो सका है। इससे मजदूरों में असंतोष भी बढ़ रहा है। पवनी पंचायत के मनरेगा मजदूर केसबिहारी राम, रामप्रवेश चौधरी, मीनू देवी और उर्मिला देवी सहित अन्य मजदूरों ने बताया कि उन्होंने निर्धारित अवधि में लगातार काम किया, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें एक भी रुपये का भुगतान नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि घर का खर्च चलाना, बच्चों की पढ़ाई और दवा-इलाज जैसी जरूरी जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। कई परिवारों को मजबूरी में उधार लेकर गुजारा करना पड़ रहा है। मजदूरों के अनुसार यह समस्या केवल चौसा प्रखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले के अन्य क्षेत्रों में भी मनरेगा मजदूरों को इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से जल्द बकाया मजदूरी का भुगतान कराने की मांग की है। इस संबंध में मनरेगा पदाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि विभागीय स्तर पर फंड उपलब्ध नहीं होने के कारण भुगतान में विलंब हुआ है। उन्होंने कहा कि जैसे ही विभाग को राशि प्राप्त होगी, सभी मजदूरों की लंबित मजदूरी का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर कर दिया जाएगा।

बसही पुल के तीखे मोड़ पर आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, युवक की मौत

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र में चौसाझकोचस मुख्य मार्ग पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा बसही पुल के समीप उस समय हुआ जब तेज रफ्तार से आ रही दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। मृतक की पहचान पिपराढ़ गांव निवासी 25 वर्षीय लक्ष्मण पासवान, पिता शिवजी पासवान के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पिपराढ़ गांव के दो युवक एक ही बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से कोचस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रोहतास जिले के दो युवक दूसरी बाइक से चौसा की तरफ आ रहे थे। बसही पुल के समीप स्थित तीखे मोड़ पर दोनों बाइकों की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक एक-दूसरे को संभाल नहीं सके और आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और उन पर सवार युवक सड़क पर दूर तक उछलकर गिर पड़े। हादसे में लक्ष्मण पासवान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची राजपुर थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

अफवाहों से बढ़ी परेशानी, सर्वर सुधरने के साथ गैस आपूर्ति पटरी पर, गांवों में अस्थायी रोक

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में रसोई गैस बुकिंग को लेकर बीते कई दिनों से बनी अफरातफरी अब धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। तकनीकी खराबी के कारण गैस बुकिंग सर्वर प्रभावित होने से उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब स्थिति में आंशिक सुधार आने लगा है। हालांकि ग्रामीण इलाकों में फैली अफवाहों और अव्यवस्था के कारण फिलहाल डोर-टू-डोर गैस डिलीवरी पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले तक हालात ऐसे थे कि सैकड़ों प्रयासों के बाद भी मुश्किल से एक-दो उपभोक्ताओं की ही बुकिंग हो पा रही थी। इससे लोगों के बीच गैस संकट की चर्चा तेज हो गई थी। अब तकनीकी स्थिति में कुछ सुधार होने से बुकिंग की रफ्तार बढ़ी है, लेकिन उपभोक्ताओं को अभी भी बार-बार प्रयास करना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि देर रात तक लगातार कोशिश करने के बाद ही उनकी बुकिंग सफल हो रही है। अधिकांश मामलों में रात 11 बजे के बाद बुकिंग कन्फर्म होने की बात सामने आई है। कुछ उपभोक्ताओं की बुकिंग दर्ज होने के बाद भी डीएसी नंबर जनरेट नहीं होने से चिंता बनी हुई है।

इधर, डुमरांव स्थित मां विंध्यवासिनी एंटरप्राइजेज गैस एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि गैस के स्टॉक की कोई कमी नहीं है। एजेंसी प्रबंधन के अनुसार समस्या सिर्फ सर्वर और बुकिंग प्रक्रिया से जुड़ी है, आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है। जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग सफलतापूर्वक दर्ज हो चुकी है, उन्हें 72 घंटे के भीतर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। एजेंसी ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना बुकिंग गैस लेने के लिए भीड़ न लगाएं।

गैस बुकिंग संकट के बीच एजेंसी पर केवाईसी और मोबाइल नंबर अपडेट कराने वालों की भी भीड़ बढ़ गई है। बड़ी संख्या में उपभोक्ता जरूरी दस्तावेज लेकर एजेंसी पहुंच रहे हैं। एजेंसी के अनुसार मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा निशुल्क है, जबकि केवाईसी के लिए 190 रुपये शुल्क लिया जा रहा है, जिसमें पाइप भी दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दिनों जैसे ही गैस वाहन पहुंचा, बिना बुकिंग वाले लोगों की भीड़ जमा होने लगी, जिससे कई जगह हंगामे की स्थिति बनी। इसी के मद्देनजर फिलहाल गांवों में डोर-टू-डोर वितरण रोका गया है। ग्रामीण उपभोक्ताओं से कहा गया है कि वे पहले बुकिंग कराएं और फिर एजेंसी गोदाम से सिलेंडर प्राप्त करें। प्रशासन ने भी हालात पर नजर रखते हुए विभिन्न एजेंसियों पर 12 मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं।

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में क्विज प्रतियोगिता हुआ संपन्न, विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

- **स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा**

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर में शैक्षणिक माहौल को और सशक्त बनाने की दिशा में सोमवार को स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के तत्वावधान में पूर्व निर्धारित क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों और अलग-अलग सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, तार्किक सोच, बौद्धिक क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करना था। आयोजन के दौरान पूरे परिसर में ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी वातावरण देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने पूरे मनोयोग, उत्साह और लगन के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिससे कार्यक्रम बेहद प्रभावशाली बन गया।

क्विज प्रतियोगिता विधिवत रूप से वीक्षकों की निगरानी में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान अनुशासन, निष्पक्षता और पारदर्शिता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया। वीक्षक के रूप में डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. जयप्रकाश मिश्रा, डॉ. प्रीति मौर्या, डॉ. प्रियरंजन चौबे, डॉ. इशरार आलम और डॉ. आलोक कुमार चतुवेर्दी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी देखरेख में पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) कृष्णाकांत सिंह ने निरीक्षण के दौरान कहा कि ऐसी शैक्षणिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल छात्रों में ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति को बढ़ाते हैं, बल्कि उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

वहीं, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक और कार्यक्रम आयोजक डॉ. विरेन्द्र कुमार ने कहा कि क्विज प्रतियोगिता छात्रों के ज्ञान को परखने और उसे विस्तार देने का प्रभावी माध्यम है। इससे विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है और वे अधिक गंभीरता से अपनी तैयारी करते हैं।

सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन शंकर पाठक ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से समृद्ध करने के साथ-साथ उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को कार्यक्रम की बड़ी सफलता बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर महाविद्यालय परिवार ने स्नातकोत्तर इतिहास विभाग की सराहना की और प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूडीआईडी शिविर से दिव्यांगजनों को मिलेगी राहत
बुनियाद केंद्र में दो दिनों तक होगा आवेदन निस्तारण

केटी न्यूज/डुमरांव

दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। डुमरांव स्थित बुनियाद केंद्र में 17 और 18 मार्च को यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए विशेष दो दिवसीय शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित आवेदनों का निस्तारण करना और नए पात्र लाभुकों का आवेदन स्वीकार कर उनकी प्रक्रिया पूरी कराना है। यूडीआईडी यानी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड दिव्यांगजनों के लिए एक अहम दस्तावेज बन चुका है। केंद्र और राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब यही एकल पहचान पत्र मान्य है। इसके बावजूद जिले में बड़ी संख्या में ऐसे दिव्यांगजन हैं, जिन्हें अब तक यह कार्ड नहीं मिल पाया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक बक्सर जिले में अब तक 17,136 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 14,448 आवेदकों को कार्ड जारी किया जा चुका है, जबकि 468 आवेदन सिविल सर्जन कार्यालय की ओर से रद्द किए गए हैं। वहीं 2,220 आवेदन अब भी लंबित हैं। प्रशासन का प्रयास है कि इस विशेष शिविर के माध्यम से लंबित मामलों को तेजी से निपटाया जाए। पहले इस शिविर के आयोजन के लिए डुमरांव प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को चिन्हित किया गया था, लेकिन जगह कम होने के कारण स्थल बदलकर पीएचसी के समीप स्थित बुनियाद केंद्र कर दिया गया। इससे आने वाले दिव्यांगजनों को अधिक सुविधा मिलने की उम्मीद है। सोमवार को बीडीओ संदीप कुमार पाण्डेय और पीएचसी प्रभारी डॉ. आर.बी. प्रसाद ने बुनियाद केंद्र पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और लाभुकों की सुविधा को लेकर संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। बीडीओ ने कहा कि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक यूडीआईडी कार्ड पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे बिना परेशानी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

ईद के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ने आयोजित की भव्य इफ्तार पार्टी, भाईचारे का दिया संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में पावन पर्व ईद के अवसर पर सोमवार को भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सोमवार की सायं 5 बजे से जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक साथ बैठकर रोजा इफ्तार किया और आपसी प्रेम, सौहार्द तथा एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान जिले में सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि ईद का पर्व प्रेम, त्याग, करुणा और भाईचारे की भावना का प्रतीक है। यह पर्व समाज में आपसी मेल-जोल को बढ़ाने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बक्सर की धरती सदैव से सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी संस्कृति की प्रतीक रही है और कांग्रेस पार्टी हमेशा से इस परंपरा को आगे बढ़ाने का काम करती रही है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों, युवाओं तथा पार्टी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास और सौहार्द को और मजबूत करते हैं। साथ ही यह पूरे समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में बक्सर जिला किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय कुमार पांडे, जिला ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद मौर्य, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय कुमार दुबे, शाहबाज अख्तर, निर्मला देवी, अकबरी खातून, चांदनी नाज, फरीदाबाद, पिंकी खातून, शबनम खातून, शाहजहां, जुलेखा बेगम, नजम बेगम, आशा देवी, त्रिजोगी नारायण मिश्रा, अजय यादव, सुरेश जायसवाल सहित जिले के कई गणमान्य लोग, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने एक साथ इफ्तार कर आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की अपील का असर करीब 300 राजस्व अधिकारी हड़ताल छोड़ काम पर लौटे

मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा और मार्च का महीना

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च का महीना राजस्व विभाग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरान मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा जारी है। वहीं, राजस्व महाअभियान के तहत प्राप्त करीब 46 लाख आवेदनों के निष्पादन के साथ मुख्यमंत्री के निर्देश पर ई-मापी अभियान भी चल रहा है। इन सभी कार्यों को 31 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने हड़ताल समाप्त कर लौटने वाले अधिकारियों को तत्काल योगदान दिलाने का निर्देश सभी जिलाधिकारियों को दिया है, ताकि लंबित कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके।

24 घंटे में की थी काम पर लौटने की अपील

रविवार को उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से 24 घंटे के भीतर काम पर लौटने की अपील करते हुए आश्वस्त किया था कि ऐसा करने वालों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही हड़ताल की दोनों अवधियों का समायोजन भी कर दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद और समन्वय के माध्यम से जनहित के कार्यों को गति देना है।

एजेंसी। पटना

बिहार के डिप्टी सीएम सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा की पहल रंग लाई है। उनके आग्रह पर हड़ताल पर गये करीब 300 अंचलाधिकारी और राजस्व अधिकारी अपने-अपने काम पर लौट आए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों से काम पर लौटने की अपील का असर दिखने लगा है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा के आग्रह के बाद करीब 300 अंचलाधिकारी और राजस्व अधिकारी काम पर लौट आए हैं। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को स्पष्ट किया था कि 24 घंटे के भीतर काम पर लौटने वाले अधिकारियों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही हड़ताल की दोनों अवधि का समायोजन भी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य टकराव नहीं बल्कि संवाद और समन्वय के माध्यम से जनहित के कार्यों को गति देना है। उन्होंने कहा कि मार्च का महीना राजस्व विभाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय एक ओर माननीय मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा चल रही है, वहीं दूसरी ओर राजस्व महा अभियान के तहत प्राप्त लगभग 46 लाख आवेदनों का निष्पादन और मुख्यमंत्री के निर्देश पर ई-मापी अभियान भी चल रहा है। इन सभी कार्यों को 31 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अंचल कार्यालयों से जुड़े कार्य सीधे आम लोगों की जमीन, प्रमाण-पत्र और राजस्व सेवाओं से संबंधित होते हैं। ऐसे में इन सेवाओं पर किसी भी प्रकार का असर जनता के हित में नहीं है। इसी कारण अधिकारियों से जनहित को प्राथमिकता देते हुए काम पर लौटने का आग्रह किया गया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि हड़ताल से वापस लौटने वाले अधिकारियों को तत्काल योगदान दिलाने का निर्देश सभी जिलाधिकारियों को दिया गया है। इसमें किसी प्रकार की शिकायत पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार का सर्वोच्च लक्ष्य हमेशा जनहित और सुशासन रहा है। सरकार अधिकारियों और कर्मचारियों की जायज समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है, लेकिन प्रशासनिक अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार को उम्मीद है कि आने वाले समय में और अधिकारी भी काम पर लौटेंगे, जिससे राजस्व महा अभियान और अन्य जनहितकारी कार्य निर्धारित समय पर पूरे किए जा सकेंगे।

सीमावर्ती क्षेत्र में बढ़ाई जाएगी निगरानी, नैनीजोर थाना का एसडीपीओ ने किया औचक निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

उत्तर प्रदेशझबिहार सीमा से सटे इलाकों में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने नैनीजोर थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों तथा लंबित मामलों की गहन समीक्षा करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीपीओ ने थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बैठा से थाना में दर्ज मामलों की स्थिति और उनकी जांच की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए निर्देश दिया कि ऐसे सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच से ही आम लोगों का पुलिस प्रशासन पर भरोसा मजबूत होता है। निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने थाना के विभिन्न रजिस्टरों, अभिलेखों और मालखाना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने तथा कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही पुलिस कर्मियों को अपने दायित्वों के प्रति सतर्क और जिम्मेदार रहने की हिदायत दी। एसडीपीओ ने कहा कि नैनीजोर थाना क्षेत्र उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा से सटा होने के कारण यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित गश्ती अभियान चलाने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा वाहन जांच को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी अभियान चलाने पर भी बल दिया। साथ ही पुलिस पदाधिकारियों को स्थानीय लोगों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने की सलाह दी, ताकि किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना समय रहते मिल सके और उस पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान भी मौजूद रहे।

सबका सम्मान-जीवन आसान के जनता दरबार से लोग हो रहें खुशहाल : एसडीएम

केटी न्यूज/रोहतास

प्रशासन पदाधिकारी द्वारा फरियादियों को जनता दरबार में इंसाफ मिलने से उनके लिए बन रहा वरदान। जंहा जिला क्षेत्र से जुड़े विभिन्न अनुमंडल के आम नागरिक अपनी समस्याओं को सीधे स्थानीय प्रशासन पदाधिकारियों के सामने रखते हैं समस्या से जुड़ी इंसाफ मांग रहे है। जिसमें पदाधिकारियों द्वारा उन्हें भरपूर सहयोग भी मिल रहा है। जिसे लेकर विभिन्न समस्या मामलों से जुड़े फरियादियों में खुशी दिख रही है। जो प्रत्येक सप्ताह में आयोजित सबका सम्मान-जीवन आसान जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाना और लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना है। जिसके तहत जमीन विवाद,बिजली, पानी,स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं पर जन सुनवाई होती है। जिस संदर्भ में सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी एसडीएम प्रभात कुमार द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की जनसुनवाई में बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र से भूमि विवाद से संबंधित 9,राशन कार्ड से संबंधित 64 सहित अन्य 15 मामलों को लेकर परिवादी उपस्थित हुए। जहां उन्होंने बारी-बारी समस्याएँ एसडीएम के समक्ष रखा। जिनकी बसमस्या को गंभीरता लेते हुए एसडीएम ने उनके आवेदन पत्रों को स्वीकृत कर उनका शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित विभाग के कार्यालयों पदाधिकारियों को निदेशित करने का निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने फरियादियों से कहा कि यह जनता दरबार व्यवस्था शासन और जनता के बीच की दूरी कम करते हुए सबका साथ-सबका विकास के संकल्प को मजबूत करती है। जहां समस्या से जुड़े लोगों की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान प्रशासन समक्ष एक ही छत के नीचे होने से उनका जीवन आसान होता है। साथ ही इससे लोकतंत्र की मजबूती के विश्वास को बढ़ता है।

एक नजर

सबका सम्मान-जीवन आसान के जनसुनवाई से फरियादियों में खुशी

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल,सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इस निश्चय के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया गया है कि आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की गई है। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निदेर्शानुसार जिले के ग्राम पंचायत,थाना, अंचल,प्रखंड,अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई।जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में आज वरीय उप समाहर्ता, नवादा श्री मनोज चौधरी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा कुल 11 शिकायतें दर्ज की गईं। कार्यक्रम के दौरान कुछ शिकायतों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को जाँचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। साथ ही अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्रस्तुत की गईं।इसी क्रम में सदर एवं रजौली अनुमंडल सहित जिले के ग्राम पंचायत,थाना,अंचल, प्रखंड,अनुमंडल एवं जिला स्तरीय सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

28 मार्च तक स्नातक-6 समेस्टर के परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे परीक्षार्थी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, ने स्नातक (यूजी) छठे सेमेस्टर सत्र 2023-27 के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी सूचना के तहत छात्र-छात्रा 15 से 28 मार्च तक ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। इसके लिए परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर स्टूडेंट पोर्टल के माध्यम से अपना परीक्षा फॉर्म निर्धारित समयावधि तक भरना अनिवार्य होगा,अन्यथा बाद में किसी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समय रहते अपने सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें और निर्धारित अवधि के भीतर ही फॉर्म जमा करें। सूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा फॉर्म भरने के दौरान विद्यार्थियों को अपनी कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति का प्रमाण-पत्र महाविद्यालय के प्रधानाचार्य या अधिकृत अधिकारी से सत्यापित कराकर संलग्न करना अनिवार्य होगा। जिन विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म को संबंधित महाविद्यालय द्वारा सत्यापित नहीं किया जाएगा,उनका एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं हो सकेगा। इसलिए सभी विद्यार्थियों समय पर अपने कॉलेज से फॉर्म का सत्यापन अवश्य करवा लें। जहां वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा तिथि की घोषणा की जाएगी।

एलएलबी छात्रों के पंजीयन के लिए जारी हुई अधिसूचना

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने एलएलबी सत्र 2025-28 के छात्रों के पंजीयन को लेकर अधिसूचना जारी की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इसके अंतर्गत वे सभी छात्र-छात्राएं शामिल होंगे जिन्होंने एलएलबी पाठ्यक्रम संचालित महाविद्यालयों में बाहर के विश्वविद्यालयों से आकर नामांकन कराया है।ऐसे विद्यार्थियों के पंजीयन आवेदन 16 से 24 मार्च तक स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित तिथि के भीतर ही आवेदन जमा करना अनिवार्य होगा, ताकि छात्रों का पंजीयन समय पर किया जा सके।पंजीयन प्रपत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है। इसमें प्रवजन प्रमाण पत्र की मूल प्रति, अंकपत्र तथा नामांकन की रसीद शामिल है। इन दस्तावेजों के बिना पंजीयन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। एलएलबी पाठ्यक्रम में नामांकित ऐसे छात्र जो अन्य विश्वविद्यालयों से स्थानांतरित होकर यहां पढ़ाई कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे अपने यहां अध्ययनरत छात्रों को इस संबंध में सूचित करें और समय पर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी करवाएं।

वीकेएसयू स्नातकोत्तर सेमेस्टर-4 परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने स्नातकोत्तर (पीजी) सेमेस्टर-4 सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दी है।छात्र-छात्राएं अपने परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन माध्यम से 16 से 25 मार्च तक भर सकेंगे। सभी परीक्षार्थियों को निर्धारित तिथि के भीतर ही अपना परीक्षा फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसके लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर स्टूडेंट पोर्टल में लॉगिन करना होगा। जिसके माध्यम से वह अपना परीक्षा फॉर्म भरकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

वीकेएसयू द्वारा जारी हुई बीसीए सेमेस्टर-1 परीक्षा कार्यक्रम

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने बीसीए प्रथम सेमेस्टर सत्र 2025-28 की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार बीसीए सेमेस्टर-1 की परीक्षाएं 24 मार्च से शुरू होकर 1 अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होंगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी दी है कि थ्योरी परीक्षा समाप्त होने के तुरंत बाद कॉलेज स्तर पर प्रैक्टिकल परीक्षाएं भी आयोजित की जा सकती हैं।

वैशाली पहुंचे थाईलैंड के 300 बौद्ध भिक्षु विश्व शांति के लिए की विशेष प्रार्थना

एजेंसी। पटना

थाईलैंड से आए 300 बौद्ध भिक्षु वैशाली पहुंचे और भगवान बुद्ध की कर्मभूमि पर विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय बौद्ध जत्था बोधगया के लिए रवाना हुआ। भगवान गौतम बुद्ध की कर्मभूमि वैशाली में थाईलैंड से आए करीब 300 बौद्ध भिक्षुओं का अंतरराष्ट्रीय जत्था पहुंचा। भिक्षुओं ने यहां मानवता और विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और पूरी दुनिया में शांति का संदेश दिया। भिक्षुओं के इस जत्थे का स्थानीय लोगों और प्रशासन की ओर से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान भिक्षुओं ने वर्तमान समय में दुनिया भर में बढ़ते युद्ध और तनाव के माहौल के बीच शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया। भिक्षुओं ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं आज भी दुनिया को शांति और सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं। इसी उद्देश्य से यह अंतरराष्ट्रीय बौद्ध यात्रा आयोजित की गई है, ताकि पूरी दुनिया में शांति और मानवता का संदेश फैलाया जा सके। वैशाली में प्रार्थना और ध्यान के बाद यह अंतरराष्ट्रीय बौद्ध जत्था आगे की यात्रा के लिए बोध गयाके लिए रवाना हो गया, जहां भिक्षु भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र स्थलों पर ध्यान और पूजा-अर्चना करेंगे। भिक्षुओं के आगमन से वैशाली एक बार फिर विश्व शांति के संदेश का केंद्र बन गया और यहां से पूरी दुनिया को अहिंसा और मानवता का संदेश दिया गया।

रजनीगंधा काव्य संग्रह का लोकार्पण संपन्न

केटी न्यूज/आरा

शहर के क्लब रोड स्थित रविवार को साकेत आवास पर एक समारोह में वरिष्ठ कवि प्रो.अयोध्या प्रसाद उपाध्याय के नवीनतम काव्य संग्रह रजनीगंधा का भव्य लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मंचासीन अतिथियों में नंदजी दुबे, जितेंद्र कुमार और केशी दुबे सहित कई साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। लोकार्पण के पश्चात काव्य संग्रह के लेखक प्रो.अयोध्या प्रसाद उपाध्याय ने अपना आत्मवक्तव्य प्रस्तुत कर संग्रह की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए अपनी कुछ प्रिय कविताओं का पाठ भी किया,जिसे लोगों ने काफी सराहा। विषय प्रवर्तन करते हुए जितेंद्र कुमार ने कहा कि रजनीगंधा की कविताएं गांव और समाज की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। इनमें ग्रामीण जीवन की संवेदनाएं और सामाजिक सरोकार स्पष्ट रूप से झलकते हैं। दिवाकर पांडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस संग्रह की कविताओं में अनुभव की व्यापकता दिखाई देती है। ममता मिश्रा ने कहा कि इस संग्रह की कविताएं सरल,सहज और सुबोध भाषा में लिखी गई हैं, जिससे पाठकों को इन्हें समझने में आसानी होती है। केशी दुबे ने कहा कि प्रो.अयोध्या प्रसाद उपाध्याय एक वरिष्ठ और अनुभवी कवि हैं, जिनकी रचनाएं समाज के हर वर्ग और हर तबके की भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। इस काव्य संग्रह में मेहंदी भइल कचनार, कजरारे नैना..कैसे कटी जिंदगी और तपिश जैसी कविताओं के माध्यम से कवि ने समाज के विविध पक्षों को उजागर किया है। प्रमुख कृतियों में ओ मेरी जिंदगी,आज जा रहा हूं गांव,सुलगता ख्वाब और बहुरानी शामिल हैं।

अवसर पर डॉ.रूपेश मिश्र,सिद्धनाथ सागर, संतोष श्रेयांश, ओमप्रकाश मिश्र,जनार्दन मिश्रा, रामयश अविकल, नथुनी पांडे आजाद, रूपेंद्र मिस्त्र, जनमेजय ओझा,डॉ अरविंद पांडेय, पंकज सुधांशु, ओमप्रकाश मिश्र, याज्ञवल्क शुल्क, डॉ.अमर उपाध्याय, डॉ.आदित्य कुमार आनन्द, छोटू सिंह, पंकज सिंह,चन्दन तिवारी, अनिश कुमार सिंह,राज पांडेय सहित अन्य उपस्थित थें।

अमित शाह के सीमांचल दौरे का असर : नो मेंस लैंड से हटाया गया अतिक्रमण

- घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन का प्लान तैयार

एजेंसी। पटना

किशनगंज सीमांचल में नेपाल बॉर्डर के नो मेंस लैंड से 20 अतिक्रमित घर हटाए गए। जिला प्रशासन और एसएसबी ने घुसपैठियों की पहचान के लिए रणनीति बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीते फरवरी महीने में सीमांचल के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बॉर्डर के समीप अतिक्रमण हटाने और घुसपैठियों की पहचान करने के निदेशों पर असर दिखने लगा है। किशनगंज जिला प्रशासन ने नेपाल सीमा से सटे नो मेंस लैंड पर अतिक्रमित जमीन को चिन्हित कर अतिक्रमण खाली करवा दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने किशनगंज में आइबी, बीएसएफ, सेना और बिहार के गृह मंत्री समेत अधिकारियों के साथ बैठक कर नेपाल बॉर्डर पर अतिक्रमण की समीक्षा की थी। उन्होंने घुसपैठियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। खुफिया सूत्रों के अनुसार सीमांचल में घुसपैठ और शरण देने वाले नेटवर्क की विस्तृत रिपोर्ट भी केंद्रीय गृह मंत्री को प्रस्तुत की गई थी। स्थलीय जांच में प्रशासनिक अधिकारियों और एसएसबी के अधिकारियों ने नेपाल बॉर्डर से सटे छह स्थानों पर अतिक्रमण पाया। कुल 20 परिवार ने नो मेंस लैंड पर घर बना लिए थे, जिनमें कुछ पक्के निर्माण और खेती-बाड़ी या चाय बगान भी शामिल थे। इन 20 घरों को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया और खेत-बगान भी खाली करवा दिए गए। घुसपैठियों की पहचान और अन्य जिलों के साथ साझा रणनीति बनाने के लिए पहल जारी है। किशनगंज सीमांचल वह जिला है, जहां नेपाल और बांग्लादेश की सीमाएं सटी हुई हैं। जिले में करीब 80 किलोमीटर नेपाल की सीमा है, जहां 36 बॉर्डर आउटपोस्ट और एसएसबी की तैनाती की गई है। यह क्षेत्र सुरक्षा दृष्टि से अति संवेदनशील माना जाता है। डीएम विशाल राज के अनुसार, नो मेंस लैंड पर अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाया गया है और घुसपैठियों की पहचान के लिए रणनीति तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का शेड्यूल जारी, 17 से 20 मार्च तक 8 जिलों में करेंगे बड़ा दौरा

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 17 से 20 मार्च तक समृद्धि यात्रा के चौथे चरण में भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, मुंगेर, लखीसराय, गया और औरंगाबाद का दौरा करेंगे। विकास योजनाओं का निरीक्षण और जन संवाद कार्यक्रम होगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के चौथे चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। यह यात्रा 17 मार्च से 20 मार्च 2026 तक राज्य के कई जिलों में आयोजित की जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण करेंगे, नई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे तथा जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे। इस संबंध में बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव अरविन्द कुमार चौधरी ने आदेश जारी किया है। जारी निर्देश के अनुसार मुख्यमंत्री की यह जिलावार ह्यसमृद्धि यात्राह्ल चार दिनों तक चलेगी, जिसमें वे कुल आठ जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान जिले की प्रमुख विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया जाएगा और आम लोगों से सीधे संवाद भी किया जाएगा। सरकारी आदेश के अनुसार 17 मार्च मंगलवार को मुख्यमंत्री अपनी यात्रा की शुरूआत भागलपुर जिले से करेंगे। यहां वे पूर्वाह्न में विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण करेंगे और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद अपराह्न में मुख्यमंत्री बांका जिले का दौरा करेंगे, जहां कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किए जाने की संभावना है। यात्रा के दूसरे दिन 18 मार्च बुधवार को मुख्यमंत्री जमुई और नवादा जिलों का दौरा करेंगे। सुबह के समय वे जमुई में विकास योजनाओं की स्थिति का जायजा लेंगे, जबकि दोपहर बाद नवादा जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यहां भी मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। 19 मार्च गुरुवार को मुख्यमंत्री मुंगेर और लखीसराय जिले का दौरा करेंगे। सुबह मुंगेर में विकास कार्यों का निरीक्षण करने के बाद वे अपराह्न में लखीसराय पहुंचेंगे। यहां वे कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर सकते हैं। इसके साथ ही जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। समृद्धि यात्रा के चौथे चरण का अंतिम दिन 20 मार्च शुक्रवार होगा। इस दिन मुख्यमंत्री गया और औरंगाबाद जिलों में कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पूर्वाह्न में गया जिले में विकास योजनाओं का निरीक्षण किया जाएगा, जबकि अपराह्न में औरंगाबाद जिले में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री आम लोगों से भी संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे।सरकार की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि समृद्धि यात्रा के दौरान ह्यसात निश्चयह्ल से जुड़ी योजनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा जिले में चल रही प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और कायारंभ भी किया जाएगा। साथ ही जिलास्तरीय योजनाओं की समीक्षा बैठक और जन संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उमंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने सभी जिलों के प्रभारी सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करें। योजनाओं के स्थल निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव भी उपस्थित रहेंगे। सरकार का मानना है कि समृद्धि यात्रा के माध्यम से विकास योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा होगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान भी किया जा सकेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के सीधे संवाद से आम लोगों को अपनी समस्याएं और सुझाव रखने का मौका मिलेगा।

एक नजर

पटना में रिसेप्शन पार्टी के दौरान डबल मर्डर का खुलासा, 24 करोड़ की जमीन के लिए दो भाईयों की गोली मारकर की गई थी हत्या

पटना। पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहपुर में 22 फरवरी को विक्की कुमार के रिसेप्शन पार्टी के दौरान दो भाईयों की गोली मारी गयी थी। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गयी थी। इस हत्याकांड का आज पटना पुलिस ने खुलासा किया है। पटना सिटी एसपी परिचय कुमार ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि डबल मर्डर केस में अमरजीत और चंदन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। वही घटना में इस्तेमाल किये गये हथियार को भी बरामद किया गया। हत्याकांड को अंजाम देने के पीछे का कारण जमीन विवाद है। दोनों भाईयों की हत्या का दिन ऐसा चुना गया कि पूरा परिवार उस वक्त साथ रहे। पटना पुलिस ने बताया कि अपराधी और मृतक दोनों पक्ष दूर के रिश्तेदार हैं। इन दोनों के बीच पुराना जमीन विवाद चल रहा था। 24 करोड़ की जमीन को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार अमरजीत ने हत्या की साजिश रची थी और दोनों भाईयों को गोली मारी थी। इस हत्याकांड में 6 और अपराधियों का हाथ था जो फरार हैं। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का दावा है कि फरार अपराधी भी जल्द गिरफ्त में होंगे।

रफ्तार का कहर! गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने 3 लोगों को कुचला, स्कूटी को 200 मीटर तक घसीटा, युवक की मौत

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में रविवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने बाइक और स्कूटी सवार तीन लोगों को कुचल दिया। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला। जानकारी के मुताबिक यह हादसा रविवार शाम करीब 6:30 बजे बेतिया के सुप्रिया सिनेमा रोड पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर उस समय सामान्य आवाजाही चल रही थी। इसी दौरान गैस सिलेंडर से लदा एक ट्रक तेज रफ्तार में आया और अनियंत्रित होकर सड़क पर चल रहे बाइक और स्कूटी सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो बाइक के परखच्चे उड़ गए और स्कूटी ट्रक के नीचे फंस गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर ट्रक को रुकवाने की कोशिश की। किसी तरह ट्रक को रोका गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हादसे में बबलू कुमार नामक युवक की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। घायल महिलाओं में से एक को बेतिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। दूसरी महिला की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम दोनों का इलाज कर रही है। मृतक बबलू कुमार के बारे में बताया जा रहा है कि वह बाजार से खरीदारी कर अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान वह इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। युवक की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया गया है और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

इंटर छात्र की गोली मारकर हत्या, पुलिया के पास मिला शव, गुजरात से परीक्षा देने आया था घर

- रात में घर से निकला, सुबह मिला शव
- एफएसएल टीम भी करेगी जांच

एजेंसी। आरा

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में एक इंटर के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह बनाही-बनकट पथ पर बनाही गांव से पश्चिम स्थित एक पुलिया के पास उसका शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान बनाही गांव निवासी राजू पांडे के 17 वर्षीय पुत्र सुमित पांडे के रूप में हुई है। वह इंटर प्रथम वर्ष का छात्र था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार सुमित अपने पिता के साथ गुजरात के सूरत में रहता था। उसके पिता वहां एक निजी कंपनी में काम करते हैं। हाल ही में वह इंटर की परीक्षा देने के लिए अपने गांव आया था। पहले वह अपने मामा के गांव ओझवलिया गया और एक दिन पहले ही अपने घर बनाही लौटा था।बताया जाता है कि रविवार रात सुमित अपने दादा के साथ घर में सोया हुआ था। सोमवार तड़के करीब तीन बजे जब दादा की नींद खुली तो सुमित बिस्तर पर नहीं था। इसके बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान घर से कुछ दूरी पर बनाही-बनकट पथ स्थित पुलिया के पास उसका शव पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही शाहपुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना को लेकर गांव में तनाव और दहशत का माहौल है।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जुटाकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों के अनुसार सुमित शाहपुर के प्लस टू उत्क्रमित विद्यालय ईश्वरपुरा में इंटर का छात्र था। सोमवार से ही उसकी प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली थी।

बिहार एसटीएफ ने किया एनकाउंटर, कुख्यात अपराधी धीरज सिंह को लगी गोली, कई मामलों में था आरोपी

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना से सटे इलाके बाढ़ अनुमंडल के पंडारख थाना क्षेत्र में एक जबरदस्त मुठभेड़ हुई, जिसमें बिहार एसटीएफ और स्थानीय अपराधी के बीच मुकाबला देखने को मिला। मुठभेड़ की शुरूआत तब हुई जब पुलिस ने इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के आधार पर रेड की। इस दौरान पुलिस टीम ने देखा कि एक व्यक्ति संदिग्ध व्यवहार कर रहा है। जब पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, तो आरोपी ने भागने की कोशिश की और इस पर गोली चलाने की नौबत आ गई। मुठभेड़ में आरोपी को गोली लगी। गोली लगने वाले व्यक्ति की पहचान धीरज सिंह के रूप में हुई है। धीरज सिंह पर पहले से ही विभिन्न आपराधिक मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें चोरी, मारपीट और हथियार के अवैध उपयोग जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, धीरज सिंह लंबे समय से इलाके में आतंक मचाने और अपराध की घटनाओं में लिप्त था। स्थानीय लोगों के अनुसार, धीरज सिंह इलाके में कुख्यात था और उसका नाम अक्सर पुलिस की जांच रिपोर्ट में आता रहा है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने क्षेत्र को घेर लिया और आसपास के इलाके में तलाशी अभियान चलाया। एसटीएफ ने कहा कि धीरज सिंह की गिरफ्तारी से इलाके में अपराध की घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। घटना के समय मौके पर कई पुलिसकर्मी मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान किसी भी निर्दोष नागरिक को कोई चोट नहीं आई। धीरज सिंह को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने इस मुठभेड़ को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में बताया। इस मुठभेड़ के बाद इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें ताकि भविष्य में ऐसे मामलों को रोका जा सके। एसटीएफ ने कहा कि धीरज सिंह के खिलाफ लंबित मामलों की जांच जारी रहेगी और उसके नेटवर्क में शामिल अन्य अपराधियों की भी पहचान की जाएगी। इस मुठभेड़ को बिहार पुलिस की कुशल और सक्रिय कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारीयों का कहना है कि ऐसे अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि आम जनता सुरक्षित रह सके।

प्रेम-प्रसंग में विवाहिता की हत्या, गला काटकर शव को कुएं में फेंका, पांच आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। रोहतास

बिहार के सासाराम से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। अखोरीगोली थाना क्षेत्र के बाघाखोह इलाके में जिस विवाहिता का शव कुएं से बरामद हुआ था, उसकी पहचान कर ली गई है। पुलिस ने इस मामले का आज खुलासा किया और पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। रोहतास के एसपी रौशन कुमार के अनुसार मृतका की पहचान गया जिले की रहने वाली पायल यादव के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि उसकी हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया गया था। पुलिस के मुताबिक करीब दो साल पहले अकोढ़ीगोला के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार की मुलाकात पायल यादव से ट्रेन में हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध शुरू हो गया। हालांकि पायल पहले से शादीशुदा थी और उसका पति व एक बच्चा अरवल' में रहते हैं। बाद में दोनों काम के सिलसिले में तिरुपति चले गए, जहां अलग-अलग फैक्ट्रियों में मजदूरी करने लगे।कुछ समय बाद धर्मेंद्र कुमार पायल को तिरुपति में छोड़कर अपने गांव लौट आया और दूसरी शादी कर ली। जब यह जानकारी पायल को मिली तो वह धर्मेंद्र के गांव पहुंच गई। पायल के अचानक गांव पहुंचने और दुल्हन की तरह सजकर घूमने से धर्मेंद्र घबरा गया और अपना राज खुलने के डर से उसने उसकी हत्या की साजिश रच डाली। पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र ने अपने साथियों नकुल सिंह, उपेंद्र कुमार, संतु कुमार और कामेश्वर सिंह के साथ मिलकर शनिवार को पायल यादव की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद सबूत छिपाने के लिए शव को कुएं में फेंक दिया गया। पुलिस ने इस मामले में धर्मेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार, नकुल सिंह, संतु कुमार और कामेश्वर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस वारदात में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।पुलिस ने घटनास्थल से कई अन्य सामान भी बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी धर्मेंद्र कुमार ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

भारतीय लोक जीवन और संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत करता है भोजपुरी सिनेमा : डॉ. प्रेम कुमार

एजेंसी/पटना

बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक बापू सभागार में 15 मार्च को आयोजित 7वें सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स ने भोजपुरी सिनेमा के सितारों और दर्शकों को एक मंच पर ला दिया। शाम छह बजे शुरू हुआ यह भव्य समारोह देर रात तक उत्साह और मनोरंजन से सराबोर रहा। लगभग पांच हजार दर्शकों की मौजूदगी में भोजपुरी कलाकारों के गीत, नृत्य और पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम ने यादगार रूप ले लिया। इस दौरान सुपर स्टार अरविंद अकेला ह्यकल्लूह्ल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अंजना सिंह को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और रंजन सिन्हा को सर्वश्रेष्ठ पीआरओ के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। (अवार्ड सूचि संलग्न) इस समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मंत्री संजय सिंह, इम्पा (क्ट्ढअअ) के अध्यक्ष अभय सिन्हा समेत कई विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भोजपुरी सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोक जीवन और संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत करता है। उन्होंने कलाकारों से समाज को सकारात्मक संदेश देने वाली फिल्मों के निर्माण की अपील की। वहीं मंत्री संजय सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय सिनेमा भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद दिल्ली प्रेस की ओर से संपादक परेश नाथ ने अतिथियों और कलाकारों का स्वागत किया। मंच से भानु प्रकाश राणा ने दिल्ली प्रेस समूह की समृद्ध प्रकाशन परंपरा और पत्रकारिता में उसके योगदान की जानकारी दी। वहीं विवेक पांडेय ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और बृहस्पति कुमार पांडेय ने पुरस्कार चयन प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि सभी पुरस्कार पारदर्शी और निष्पक्ष ज्यूरी प्रक्रिया के आधार पर तय किए गए हैं। इस समारोह में लगभग 80 विभिन्न श्रेणियों में कलाकारों और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया गया। इम्पा के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने भोजपुरी फिल्म उद्योग की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भोजपुरी सिनेमा तकनीकी रूप से और मजबूत हो रहा है तथा इसके दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं कार्यकारी प्रकाशक अनंत नाथ ने बताया कि डिजिटल माध्यमों की बढ़ती भूमिका को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष अवॉर्ड को तीन प्रमुख वर्गों में विभाजित किया गया–थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्में, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कंटेंट और यूट्यूब व टीवी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित फिल्में। रंगारंग कार्यक्रम में भोजपुरी सिनेमा के कई सितारों ने मंच पर अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अनु ओझा, स्वास्तिका राय, आयान बाबू, माही खान और अमरीश सिंह जैसे कलाकारों ने अपने हिट गीतों पर जमकर प्रस्तुति दी। वहीं निशा उपाध्याय, मोनू अलबेला, खुशी कक्कड़, अनुपमा यादव और प्रियंका सिंह की सुरीली आवाजों ने इस शाम को और भी यादगार बना दिया। पारंपरिक भोजपुरी लोकगीत और लोकनृत्य ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। समारोह में भोजपुरी फिल्म उद्योग के कई चर्चित कलाकारों और तकनीशियनों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अवॉर्ड पाने वालों में मनु कृष्णा, संजीव बोहरपी, ओम झा और अरविंद अकेला ह्यकल्लूह्ल सहित कई नाम शामिल रहे। दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट और मंच पर कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्साह और उल्लास से भर दिया।

सरकारी भवनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने राज्य में 10 उड़नदस्ता टीमें गठित, विशेष जांच अभियान

एजेंसी/पटना

राज्यभर में चल रहे सरकारी भवनों के निर्माण कार्य की समुचित जांच करने और इनकी पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य विशेष पहल की गई है। भवन निर्माण विभाग की ओर से राज्य में चल रहे नये भवनों के निर्माण या जिन भवनों की मरम्मती चल रही है, उनमें गुणवत्ता का खासतौर से ध्यान रखा गया है या नहीं, इसकी जांच यह टीम करेगी। प्रत्येक उड़नदस्ता दल में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता स्तर के अभियंताओं को शामिल किया गया है। नए भवनों में विद्युत कार्यों की जांच के लिए खासतौर से उड़नदस्ता दल को नियुक्त किया गया है। निरीक्षण के दौरान जांच टीम कार्य स्थल से सैंपल एकत्र कर उन्हें अंचल स्तरीय या केंद्रीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजकर जांच करवाएगी। उड़नदस्ता दल में शामिल अधीक्षण अभियंता अपने पदस्थापन अंचल को छोड़कर अन्य किसी भी प्रमंडल की योजनाओं की जांच करेंगे। उड़नदस्ता दल मुख्य अभियंता (गुणवत्ता अनुश्रवण) के नियंत्रण में कार्य करेंगे। विभाग के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्यों में ईंट, कंक्रीट, बालू, गिट्टी आदि सामाग्रियों की जांच केंद्रीय प्रयोगशाला में कराई जा रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं में 55 से अधिक आधुनिक यंत्रों का उपयोग किया जाता है। ये मशीनें पुरानी, निमार्णाधीन और भविष्य की संरचनाओं के गहन परीक्षण के लिए सक्षम है।